स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटि एज्यूकेशन
आदर्श विद्यालय योजना

राजस्थान

DRAFT

बुनियादी अवधारणाओं एवं
दक्षताओं पर आधारित

विशेष अधिगम समर्थन सामग्री

2016-17

विषय : हिन्दी

कक्षा - 2

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्
माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार
बोध शिक्षा समिति एवं यूनिसेफ द्वारा विकसित

सहयोगी संस्थाएँ

निदेशालय-राजस्थान

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

बोध शिक्षा समिति

यूनिसेफ, जयपुर

शिक्षण सामग्री का इस्तेमाल सुझाव एवं सामग्री

1

बच्चों के साथ विशेष अधिगम समर्थन सामग्री को इस्तेमाल करने से संबंधित सुझाव

- विशेष अधिगम समर्थन सामग्री के प्रयोग करने के दौरान भाषाई चारों कौशलों पर कार्य किया जाना आवश्यक है।
- प्रतिदिन की जाने वाली गतिविधियाँ कुछ इस प्रकार से संरचित की जाएं –

कौशल/गतिविधि	समय	निर्धारित कार्य
पढ़ना	10 मिनट	संबंधित शब्द, वर्ण , वाक्य कविता, कहानी आदि।
बातचीत, उच्चारण संबंधी ऑडियो सुनाना एवं खेल	10 मिनट	स्तर के अनुसार खेल – वर्ण/शब्द/वाक्य – कार्डस्।
लेखन	15 मिनट	संबंधित कार्यपत्रक, संबंधित शब्द/वर्ण/वाक्य आदि का श्रुतलेख।
किए गए कार्य का समेकन	05 मिनट	बच्चों के साथ किए गए कार्य की स्थिति पर बातचीत करना।

- जिस भी अवधारणा पर कार्य प्रारम्भ करने जा रहे हैं, उस पर पूर्व में मौखिक बातचीत, आवश्यक गतिविधि व सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अवधारणा को स्पष्ट किया जाए।
- तत्पश्चात दिए गए कार्यपत्रकों पर कार्य किया जाए।
- कार्यपत्रक पर कार्य करवाने के दौरान बच्चों के कार्य का अवलोकन करते रहें जिससे कि यह समझा जा सके कि बच्चों को कहाँ पर ज्याादा समस्या आ रही है या मदद करने की आवश्यकता है।

किसी भी गतिविधि में अत्यधिक समय देने से पढ़ने–पढ़ाने की प्रक्रिया में संतुलन नहीं हो पाता है, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों के सीखने पर पड़ता है। इसलिए कक्षा की गतिविधियों में संतुलन बनाए रखना ज़रूरी होता है।

कविता और कहानी पढ़ना

- किसी भी कविता या कहानी को कम से कम दो दिन इस्तेमाल करें। (सभी बच्चों के लिए कहानी की छोटी किताबों का होना विद्यालय में आवश्यक है, जिससे कि उनका भी पढ़ने–पढ़ाने में इस्तेमाल किया सके)
- कहानी या कविता को पढ़ने से पूर्व उसके शीर्षक पर अवश्य बातचीत/चर्चा करें। बच्चों से इस तरह के प्रश्न ज़रूर पूछें कि 'अगर कहानी या कविता का नाम ऐसा है तो कहानी या कविता में क्या होगा?' ऐसे सवाल चित्र दिखाकर भी पूछें कि 'इन चित्रों को देखकर क्या लगता है कि इस कहानी या कविता में क्या होगा?'
- शिक्षक कहानी को स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ, ताकि बच्चों में ''आदर्श वाचन'' की समझ बन पाए।
- शिक्षक कविता को भी स्पष्ट उच्चारण व आवाज़ के उतार–चढ़ाव के साथ पढ़कर सुनाएँ।
- कविताओं को लयबद्ध करके भी गवाएँ।
- कहानी पढने़ के बाद शिक्षक उस कहानी पर आधरित, ''क्यों' ', ''कैसे ' आदि प्रश्न बच्चों से पूछें जिनमें बच्चे ज्यादा से ज्यादा वाक्यों में उत्तर दे सकें। जब किसी कहानी या कविता पर चर्चा की जाती है तो बच्चों की पढ़ने के प्रति रुचि बनती है इससे कहानी या कविता को सुनकर समझने की क्षमता का पढ़कर समझने की क्षमता के साथ संबंध बनने लगता है।
- बातचीत और हाव–भाव से कहानी या कविता पढ़ने के बाद शिक्षक कहानी या कविता के प्रत्येक शब्द पर अँगुली रखकर धीमी गति से पढ़ें। कहानी या कविता पढ़ते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रत्येक बच्चे के पास कहानी या कविता की अपनी प्रति हो और वे भी पाठ पर अँगुली चलाएँ। **पीछे–पीछे न दोहराएँ।** पाठ पर अँगुली चलाने से भाषा के लिखित रूप की समझ बनती है।
- शिक्षक स्वयं कहानी पढ़ने के बाद बच्चों से कहें, ''**अब मेरे जैसा कौन पढ़ेगा?**'' प्रतिदिन अलग–अलग बच्चों से पढ़वाएँ। पढ़ने के बाद बच्चों को शाबाशी ज़रूर दें। शाबाशी मिलने पर बच्चे प्रेरित होते हैं और पढ़ने की कोशिश करते हैं।
- बच्चों से कहानी या कविता में आए उनके मनपसंद शब्दों/अक्षरों पर गोला लगाने या ढूँढने के लिए भी कहें। मनपसंद अक्षरों/शब्दों को ब्लैक बोर्ड/ज़मीन या फिर उनकी अपनी कॉपी पर लिखने के लिए कहें।
- तीन–चार दिन बाद शिक्षक कहानी या कविता के कुछ शब्द या वाक्य बोलें, बच्चे उन वाक्यों को कहानी या कविता में ढूँढकर दिखाएँ।

कार्यपत्रकों पर कार्य

- कार्यपत्रक बच्चों को देने से पूर्व उस पर विस्तार से बच्चों से बात कर लें कि उसे किस प्रकार से इस्तेमाल करना है।
- उसमें लिखी गई विषयवस्तु के बारे में बताएँ।
- दिए गए निर्देश को पढ़ने के लिए प्रेरित करें या अपने साथ अँगुली रखकर पढ़ने को कहें। निर्देश पढ़ लेने के बाद पूछें कि उन्हें इसमें क्या करना है। इससे यह समझ में आता है कि बच्चे किए जाने वाले कार्य को समझ पा रहे हैं या नहीं।
- सभी बच्चों के पास जाकर देखें कि वे किस प्रकार से कार्यपत्रक पर कार्य कर रहे हैं और जहाँ कहीं भी आपको लगता है कि समर्थन करने की आवश्यकता है वहाँ पर समर्थन करें।

कार्ययोजना 2

विशेष अधिगम समर्थन : कार्ययोजना एवं गतिविधियाँ

	लैडर–5		कक्षा–2
5.1	सभी सीखी गई मात्राओं आदि को इस्तेमाल करते हुए वाक्य संरचना करना।	• छोटी कविताओं , कहानियों को पढ़ना उनको अपने शब्दों में बताना। • छोटे वाक्यों का पठन व लेखन करवाना। • चित्रों के आधार पर वाक्यों की संरचना करवाना। • क्रम से चित्रों को लगाकर वाक्य बुलवाना। • वाक्य पट्टिकाओं की मदद से वाक्य संरचना करवाना। • सरल और संयुक्त वाक्यों की अवधारणा को समझाना। • मौखिक व लिखित निर्देशानुसार वाक्य संरचना करवाना। • अभ्यास एवं आकलन प्रपत्रों का इस्तेमाल करना।	• छोटी कहानियों का संकलन • वाक्य कार्डस • वाक्य पट्टिका • वाक्य संरचना चार्ट एवं पासा। • अभ्यास एवं आकलन पत्रक क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, AW-1, AW-2
	लैडर–6		**कक्षा–2**
6.1	अनुस्वार, अनुनानसिक व मात्रायुक्त शब्दों को विभेद कर पढ़ना एवं लिखना।	• चयनित बालगीत का हावभाव के साथ गायन करवाना। • चित्र शब्द कार्ड्स का पठन करवाना। • अनुस्वार, अनुनासिक शब्द/वर्ण के उच्चारण पर ज़ोर देना एवं बच्चों से बार–बार उच्चारण करवाना। • श्यामपट्ट की सहायता से शब्दों में से अनुस्वार,अनुनासिक चिह्नों को अलग करना एवं लगाना। • कार्यपत्रक.....पर अभ्यास कार्य करवाना।	• बालगीत चार्ट • शब्द कार्ड्स • कहानी की पुस्तकें • अभ्यास कार्यपत्रक क्रमांक 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20 • आकलन पत्रक AW-4

		• गद्यांश/कविता/कहानी का पठन करवाना। मौखिक प्रश्नोत्तर करना। • घर पर अभ्यास हेतु कार्यपत्रक देना। • अवधारणा पर आकलन पत्रक के माध्यम से स्थिति को देखना।	
लैडर–7			**कक्षा–2**
7.1	सरल छोटी घटना, कहानी को समझकर अपने शब्दों में मौखिक व लिखित रूप में अभिव्यक्त करना।	• छोटी सरल परिवेशीय घटना, अनुभव, दिनचर्या से संबंधित मौखिक बातचीत के ज़रिए विचार प्रस्तुत करने के अवसर उपलब्ध करवाना। • चित्र चार्ट,चित्र कार्डों के माध्यम से कहानी सुनाना/बच्चों से मौखिक सुनना। • चित्र कार्ड्स के माध्यम से कहानी का क्रमबद्ध लेखन करवाना। • वाक्यों को जोड़कर कहानी बनाना। • पठित या सुनी हुई कहानी/कविता के आधार पर चित्रांकन करना।	• कहानी चार्ट • कहानी से संबंधित चित्र कार्ड • लघु–दीर्घ मात्रायुक्त कहानी/कविता /गद्यांश • अभ्यास कार्यपत्रक क्रमांक 21, 22, 23, 24, 25 • सतत आकलन पत्रक AW-5 • सतत आकलन पत्रक
7.2	पठित सामग्री में से (क्या,क्यों, कैसे) प्रश्नों के उत्तर पूरे–पूरे वाक्यों में मौखिक व लिखित रूप में देना।	• संबंधित कहानी/कविता या अनुच्छेद आदि से संबंधित प्रश्नोत्तर करना। • पठित सामग्री में से प्रश्न बनाना।	
लैडर–8			**कक्षा–2**
8.1	किसी चित्र/ विषयवस्तु /घटना /कल्पनात्मक बिन्दु आदि के बारे में 6 से 8 वाक्यों में वर्णन कर अपनी बात को ठीक वर्तनी व व्याकरणिक दृष्टि से लिखना।	• दृश्य चित्रों के माध्यम से बातचीत करवाना। • दृश्य चित्रों पर स्वयं लेखन कार्य करना। • अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करवाना। • कल्पनात्मक विषय वस्तुओं पर लेखन कार्य करवाना।	• दृश्यात्मक चित्र श्रृंखला। • अनुमान आधारित प्रश्नों का संकलन • अभ्यास पत्रक क्रमांक 26, 27, 28, 29 • आकलन पत्रक क्रमांक AW-6
8.2	छोटी कहानियों /कविताओं को धाराप्रवाह गति के साथ पढ़ना।	• उपर्युक्त सामग्री का इस्तेमाल करते हुए अन्य और कहानियों व कविताओं का पठन करवाना। • पठित सामग्री में से अनुमान व कल्पना आधारित प्रश्नोत्तर करवाना।	• कविता एवं कहानी का संकलन • पुस्तकालय की पुस्तकों का उपयोग

अभ्यास एवं आकलन पत्रक 3

स्टेट इनिशिएटिव फॉर क्वालिटि एज्यूकेशन–राजस्थान		विशेष अधिगम समर्थन सामग्री
H/C2/PW1	पठन एवं लेखन	मात्रा एवं वाक्य–बोध (कविता)

शाला का नाम : -- रोल नं. : --------------

विद्यार्थी का नाम : -- दिनांक : --------------------

कविता को पढ़िए, गाइए एवं समझिए –

तितली और कली

हरी डाल पर लगी हुई थी, नन्ही सुंदर एक **कली**।

तितली उससे आकर बोली, तुम लगती हो **बड़ी भली**।

अब जागो तुम आँखें **खोलो**, और हमारे संग **खेलो**।

फैले सुंदर महक तुम्हारी, **महके** सारी **गली–गली**।

कली छिटककर खिली रंगीली, तुरंत खेल की सुनकर बात।

साथ हवा के लगी भागने, तितली छूने उसे चली।

पढ़कर समझिए –

गली–गली का मतलब है सारी गलियाँ।
कली–कली का मतलब है सारी कलियाँ

अब नीचे लिखे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए वाक्य बनाइए –

1. घड़ी–घड़ी : .....

2. जगह–जगह :.....

3. डाल–डाल :.....

→नीचे दिए गए शब्दों जैसे कुछ और शब्द अपने मन से जोड़िए –

बोलो	तितली	डाल
.....	.....	.....
.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

शाला का नाम : -- रोल नं. : --------------

विद्यार्थी का नाम : -- दिनांक : --------------------

नीचे दिए गए शब्दों को अक्षर/मात्रा के अनुसार सही स्थान पर लिखिए –

खरगोश	ऐलान	मैदान	घोषणा	और	मैं कौन
हरेक	रोटी	कोयल	हीरे	छोड़कर	तैरना पोल
ने	लगे	बैठा	कौआ	खिलौना	है पेड

ए (े)	ऐ (ै)	ओ (ो)	औ (ौ)
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

इनके नाम लिखिए और एक–एक वाक्य भी बनाकर लिखिए –

1.

2.

3.

....

1. ....

2. ....

3. ....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर   दिनांक : ....

H/C2/PW3 वाक्य–बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नीचे दिए गए अँगूठे के अंदर, मछली , तितली, लड़की, चूहा और तितली के चित्र बने हैं उन्हें देखकर वाक्य पूरे कीजिए –

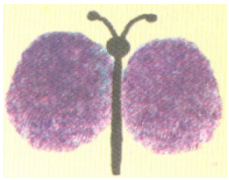

यह तितली का चित्र है।

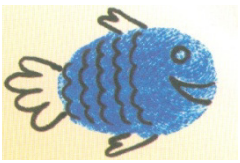

यह ..... का चित्र है।

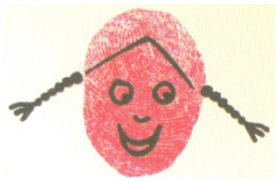

यह लड़की का ..... है।

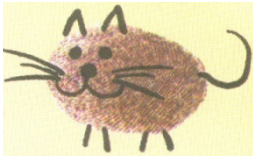

यह ..... का ..... है।

आप भी चित्र बनाइए व नाम लिखिए।

लड़की

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

हरी डाल पर लगी हुई थी

नन्ही सुंदर एक कली।

कविता में पौधे की डाल हरे रंग की बताई गई है। नीचे लिखी चीज़ें किन–किन रंगों की हो सकती हैं? लिखिए –

..... तितली

..... बैंगन

..... लौकी

..... टमाटर

..... सूरज

..... संतरा

..... गुलाब

..... केला

सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए –

1. तितली फूलों का रस ..... है। (चूसती / नाचती)
2. सूरज ..... में आता है। (रात / दिन)
3. बैंगन की ..... बनाते हैं। (सलाद / सब्जी)
4. संतरा एक ..... है। (फूल / फल)

दिए गए शब्दों को पढ़िए और लिखिए –

पौधा	**कौआ**	**मोर**	**कोयल**
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

गिनती

एक महल है,
चहल–पहल है।
दो दरवाजे, तीन
खिड़कियाँ।
चार हैं लड़के, पाँच
लड़कियाँ।
छह घोड़े हैं,
छोटे–छोटे।
आठ कबूतर, गुटर–गूँ
करते।
नौ चूहे, बिल्ली से
डरते।
दस चिड़ियाँ, उड़ती हैं
ऊपर।
आएँगी बादल को
छूकर।

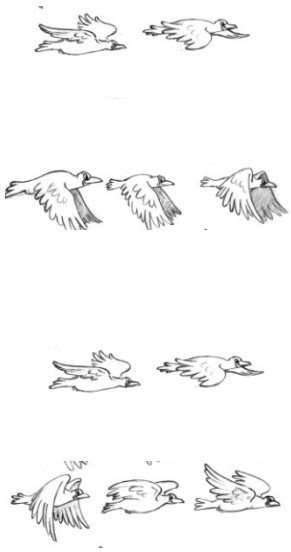

1. इस कविता में गिनती के शब्द रेखांकित कीजिए और नीचे लिखिए –

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....	.....

2. कविता पर बातचीत करते हुए दिए गए वाक्यों को पूरा कीजिए –

अ) महल में तीन ..... थीं ।

ब) ..... चिड़ियाँ, उड़ती हैं।

स) छह घोड़े हैं ..... ।

द) ..... बिल्ली से डरते।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं, उनकी सहायता से वाक्यों को पूरा कीजिए।

बच्चे ..... रहे हैं।

बच्चे ..... रहे हैं।

बच्चे ..... रहे हैं।

लड़की ..... रहे हैं।

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

शिक्षक के साथ इस कहानी को पढ़िए और समझिए –

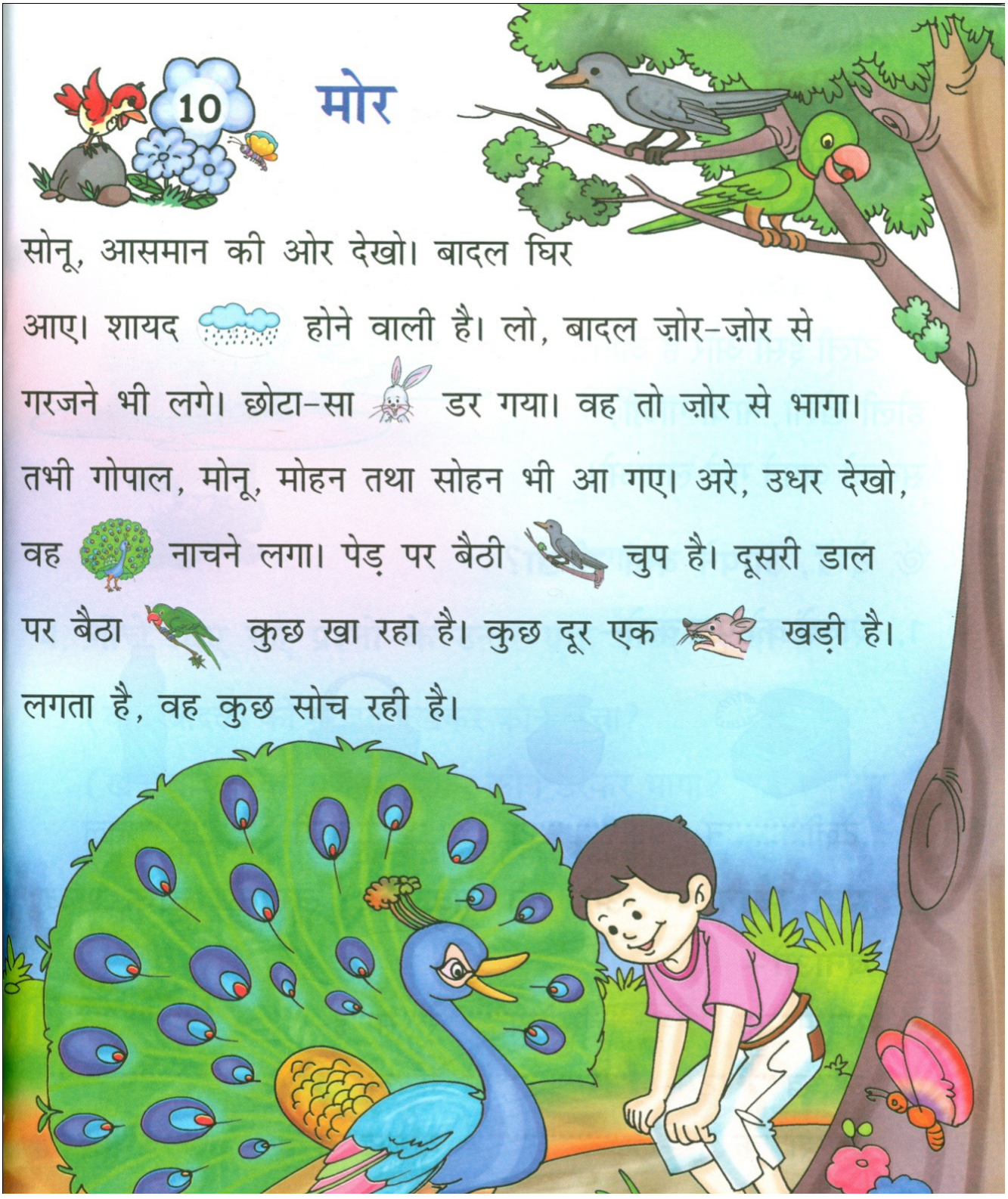

- **दिए गए शब्दों को पढ़िए और सही स्थान पर लिखिए–**

बादल, बरसात, मोर, तोता, बिल्ली

(क) .... घिर आए।

(ख) शायद .... होने वाली है।

(ग) .... नाचने लगा।

(घ) डाल पर .... आम खा रहा है।

(ङ) .... मौसी खड़ी सोच रही है।

- **चित्र देखकर शब्द पूरे कीजिए–**

को..............................

ख..............................

ल..............................

ज..............................

- **पढ़कर चित्र बनाइए–**

बिल्ली **मोर** **बंदर**

4. **पढ़िए और लिखिए –**

मोर जंगल में नाच रहा है।

....

....

....

....

....

....

....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : ....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

1. पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

भवन के सामने एक पार्क है, जिसमें तरह–तरह के पौधे लगे हैं। हमारे विद्यालय का माली इनकी अच्छी देखभाल करता है। यहाँ खेल के दो बड़े–बड़े मैदान हैं, जिनमें बड़े छात्र खेलते हैं। हमारे लिए भी दो छोटे–छोटे मैदान हैं, इनमें झूले आदि लगे हैं।

(क) भवन के सामने है :–

(अ) मैदान (ब) पार्क (स) दुकान

(ख) सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

(अ) पेड़–पौधों की देखभाल ..... करता है। (माली / मालि)

(ब) विद्यालय में छोटे–छोटे ..... हैं। (मैदान / मेदान)

(ग) तरह–तरह के ..... लगे हैं। (पोधे / पौधे)

(ग) विद्यालय में क्या–क्या लगे हुए हैं ?

.....

2. चित्र देखकर सही शब्द पर सही का निशान लगाइए –

बेर / बैर	पेसा / पैसा	कोआ / कौआ	तितली / तितलि

3. समझकर वर्ग पहेली हल कीजिए।

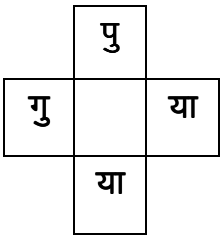

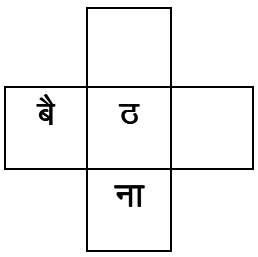

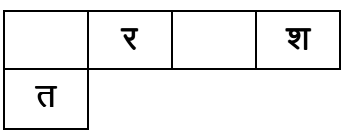

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कविता को पढ़िए और समझिए –

बीती रात **उजाला** आया, **सूरज** नया **सवेरा** लाया।
चहके **पंछी**, **महकीं बेलें**, **आओ** साथी हम सब **खेलें**।
निकली धूप, **सिमटती** छाया, सूरज नया सवेरा लाया।
हरी दूब पर ओस चमकती,**फूलों** से –**मोती**–सी झरती।
गीत नया **चिड़ियों** ने गाया,सूरज नया सवेरा लाया।

1. कविता में से ऊ की मात्रा वाले चार शब्द छाँटकर लिखिए –

....

2. सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(अ) रात बीतने पर क्या हुआ ?

☐ बारिश, ☐ उजाला, ☐ अँधेरा

(ब) छाया क्यों सिमटने लगी ?

☐ धूप निकल आई ☐ शाम हो गई ☐ दोपहर हो गई

(स) हरी दूब पर क्या चमक रहा है ?

☐ मोती ☐ धूप ☐ ओस

3. सुबह के समय ये दो चिड़ियाँ क्या बात कर रही होंगी ? सोच कर लिखिए –

.....,

.....

.....,

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

1. वाक्य पढ़कर चित्र से मिलान कीजिए–

1. बारिश आई, किवाड़ बंद कर।

2. डलिया के अंगूर, हिरन खा गया।

3. दिया के पास एक और दीया है।

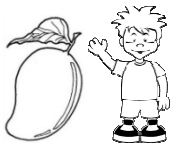

4. खटिया के पास तकिया रखा है।

5. पेड़ के पास लड़की खड़ी है।

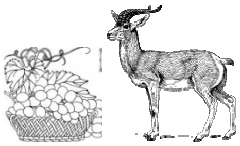

6 गिटार के पास दीया रखा है।

7. कमल ने आम देखा।

8. बछिया आई, चिड़िया उड़ गई।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

बादल भइया

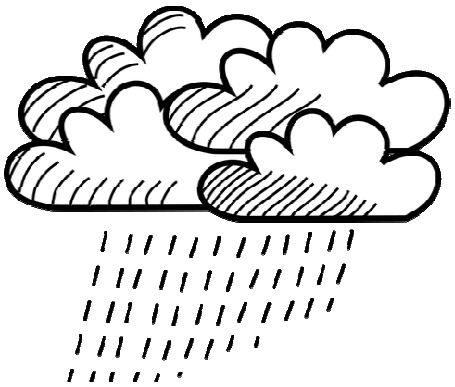

बादल भइया , बहुत हुआ।

कीचड़–कीचड़, पानी–पानी।

याद सभी को आई नानी।

सारा घर, दिन–रात चुआ।

जाएँ कहाँ, कहाँ पर खेलें।

घर में फँसे, बोरियत झेलें।

ऊपर लिखी कविता को ध्यान से पढ़िए और खाली जगहों पर सही शब्द लिखिए –

अ) ..... भइया, बहुत हुआ। (सूरज / बादल)

ब) कीचड़–कीचड़ ..... (सानी–सानी, पानी–पानी)

स) याद सभी को, आई ..... (नानी / दादी)

द) सारा ....., दिन रात चुआ। (घर / छत)

य) जाएँ कहाँ, कहाँ पर ..... (रोएँ / खेलें)

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए और इनमें क्या हो रहा है? प्रत्येक के लिए एक–एक वाक्य लिखिए –

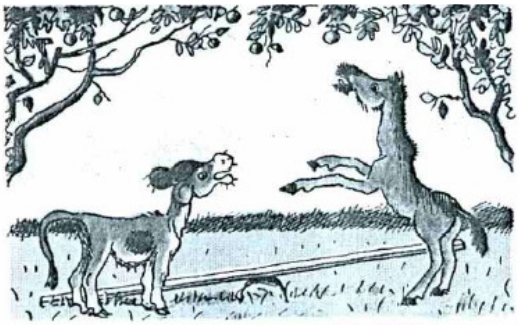

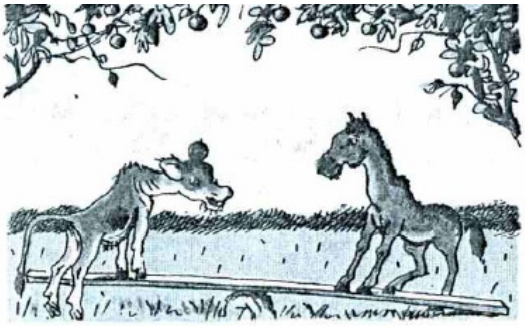

.....

.....

.....

.....

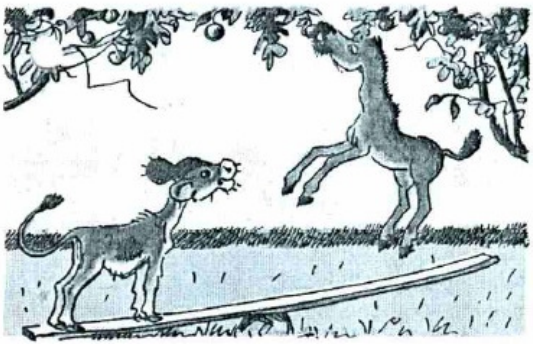

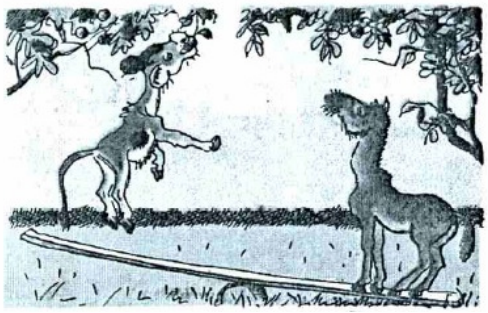

.....

.....

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

ऊँट चला

ऊँट चला, भई ऊँट चला
हिलता–डुलता ऊँट चला।
इतना ऊँचा ऊँट चला।
ऊँट चला भई ऊँट चला।
ऊँची गर्दन, ऊँची पीठ,
पीठ उठाए, ऊँट चला।

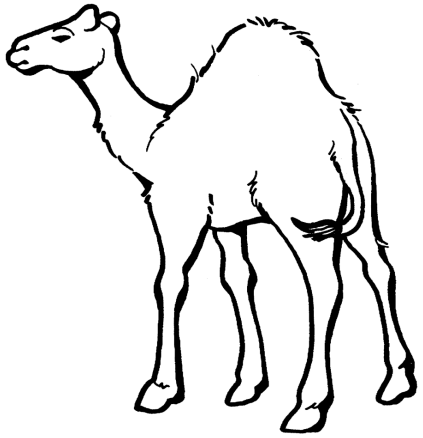

पढ़िए और लिखिए –

ऊँट चला	ऊँची गर्दन	ऊँची पीठ
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

कविता को पूरा कीजिए –

हिलता–डुलता , ...

इतना ऊँचा , ...

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

चित्र देखकर पढ़िए और लिखिए

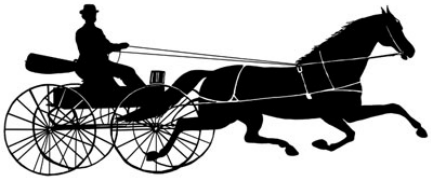		
ताँगा	पाँच	कुआँ
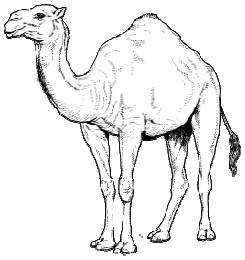	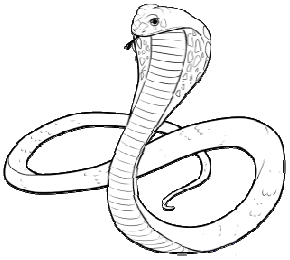	
ऊँट	साँप	अँगूठी
		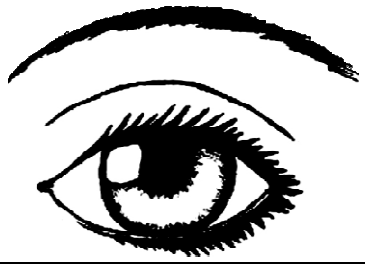
बाँसुरी	चाँद	आँख
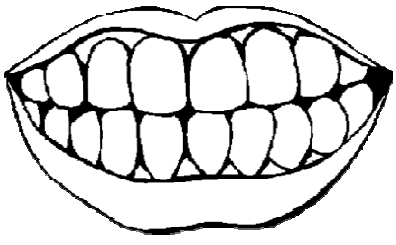		
दाँत	बाँस	सूँड

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW13 पठन एवं लेखन अनुनासिक ँ बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नाम को सही चित्र के साथ मिलाइए –

	ऊँट
	साँप
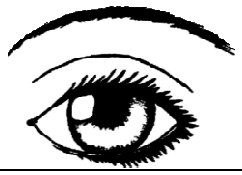	कुआँ
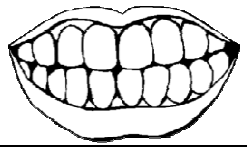	सूँड
	चाँद
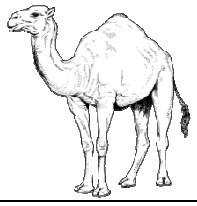	दाँत
	आँख
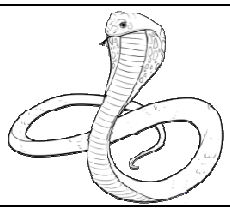	अँगूठी

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW14 पठन एवं लेखन अनुस्वार ं बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

चित्र देखकर पढ़िए और लिखिए –

कंगन	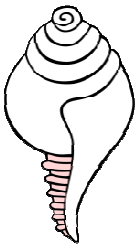 शंख	जंगल
पंख	पलंग	कंधा
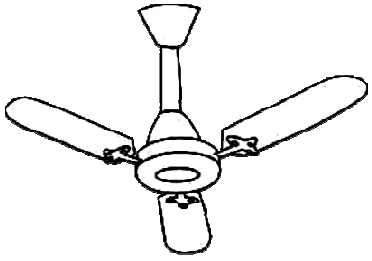 पंखा	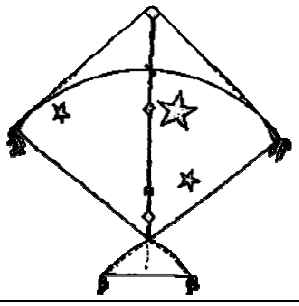 पतंग	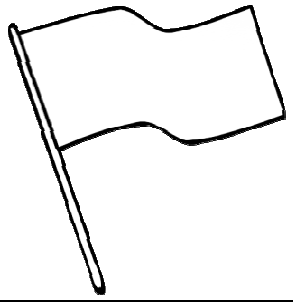 झंडा
घंटी	बंदूक	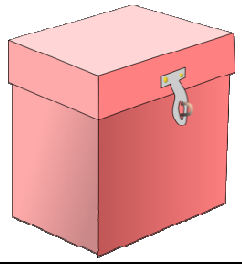 संदूक

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नाम को सही चित्र के साथ मिलाइए –

	पंखा
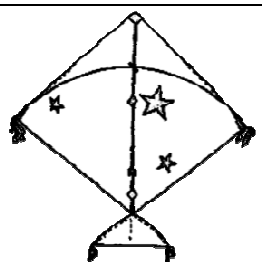	घंटी
	पलंग
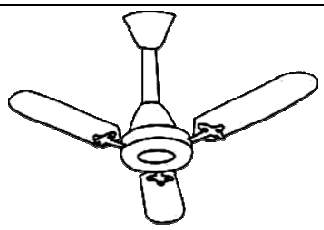	पंख
	झंडा
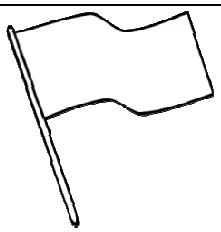	पतंग
	शंख

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/AW3 अनुस्वार–अनुनासिक बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दिए गए चित्रों के नाम लिखिए –

			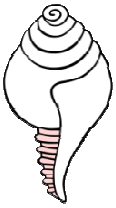	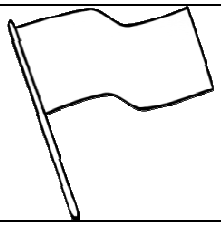
.....	.....	.....	.....	.....

दिए गए अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करके लिखिए –

अशुद्ध शब्द	शुद्ध शब्द
पतग	.....
आख	.....
पखा	.....
साप	.....
शख	.....
अगूठी	.....
रग	.....
कुआ	.....
पख	.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW 16 **पठन एवं लेखन** **अनुस्वार बोध**

शाला का नाम : ---------- **रोल नं. :** ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- **दिनांक :** ----------

दिए गए गद्यांश को पढ़िए –

बंदरवाला आया है। उसका नाम चंपालाल है। बंदर के गले में एक जंजीर है। चंपालाल कंधे पर झोला लटकाए है। बंदर बहुत ही चंचल है। बंदर ने सबको सुंदर नाच दिखाया।

इन शब्दों को लिखने का एक और तरीका भी जानिए और पढ़िए–

बंदर– बन्दर	चंपा – चम्पा
सुंदर– सुन्दर	अंदर – अन्दर
चंदा– चन्दा	कंधा – कन्धा
मंजन– मञ्जन	अंडा – अण्डा
अंगूर– अङ्गूर	कंगन – कङ्गन

प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. बंदरवाले का क्या नाम था?

.....

2. बंदरवाले ने झोला कहाँ लटका रखा था?

.....

3. बंदर ने कैसा नाच दिखाया?

.....

अब इन शब्दों को लिखने और पढ़ने का अभ्यास कीजिए –

अंदर बंदर चंदर कलंदर समंदर जंतर–मंतर

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

दिए गए गद्यांश को पढ़िए और समझिए –

रविवार को आँचल अपने गाँव गई। उसके गाँव का नाम आँवल खेड़ा है। आँचल अपनी माँ के साथ ताँगे पर बैठकर चली। तभी आँधी आ गई। बूँदे भी गिरने लगी। आँचल ने पहली बार आँवले के पेड़ और गेहूँ के खेत देखे। वहाँ एक कुआँ भी था जिससे महिलाएँ पानी भर रही थी। वह बहुत खुश थी।

इन शब्दों को पढ़िए और लिखिए –

आँचल	गाँव	आँवल	बूँदें
.....	.....	.....	.....
महिलाएँ	यहाँ	कुआँ	आँवला
.....	.....	.....	.....

प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

1. आँवल खेड़ा गाँव किसका था?

.....

2. आँचल और उसकी माँ किसमें बैठकर गाँव गए?

.....

3. आँचल ने पहली बार क्या –क्या देखा?

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW18 अनुस्वार, अनुनासिक बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नीचे दिए गए वर्गजाल में अलग–अलग नाम हैं उनमें घेरा लगाइए ,पढ़िए और लिखिए –

आँ	प	दाँ	त
च	ख	तू	प
म्या	ऊँ	न	त्ति
न	ट	खि	माँ
खा	ऊँ	चाँ	द
सूँ	काँ	नाँ	स
ड़	टा	म	माँ

आँख , ..., ...

....., ...

....., ...

....., ...

....., ...

रंग , ..., ...

....., ...

....., ...

....., ...

....., ...

बं	मं	क	मं
सुं	द	र	ग
मं	जं	न	ल
रं	ग	मं	कं
क	ल	दि	ग
चं	च	ल	न

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW19 पठन एवं लेखन अनुनासिक बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

अवधारणा– अनुनासिक (ँ)

1. बोल–बोलकर लिखिए–

काँच	आँख	साँप	दाँत	दायाँ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

2. बोल–बोलकर लिखिए–

आँगन	ऊँघना	पत्तियाँ	आँवला	चिड़ियाँ
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/PW20 पठन एवं लेखन अनुस्वार बोध

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

अवधारणा– अनुस्वार (.)

1. बोल–बोलकर लिखिए–

रंग	शंख	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

2. बोल–बोलकर लिखिए–

मयंक	लंगूर	पलंग	संतरा	जंगल
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

H/C2/AW4 **अनुस्वार, अनुनासिक बोध**

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

1. दिए गए बॉक्स में से शब्दों को छाँटकर सही कॉलम में लिखिए–

मंगल, साँवला, टाँग, जंगल, काँच,परियाँ, पहेलियाँ, सारंग, संगम, पाँव, तंग, चंचल, जहाँ, मंथन, चंबल,बायाँ

अनुस्वार ं	अनुनासिक ँ
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....
.....	.....

2. सही शब्दों पर घेरा लगाइए–

अंदर	टाँग	टांग
हंसना	हँसना	हशना
तिरंगा	तिरँगा	तिरनगा
आनचल	आँचल	आंचल
कंधा	कनधा	कँधा
महीलाए	महिलाएँ	महिलाए

3. किसकी कैसी बोली ? मिलान कीजिए–

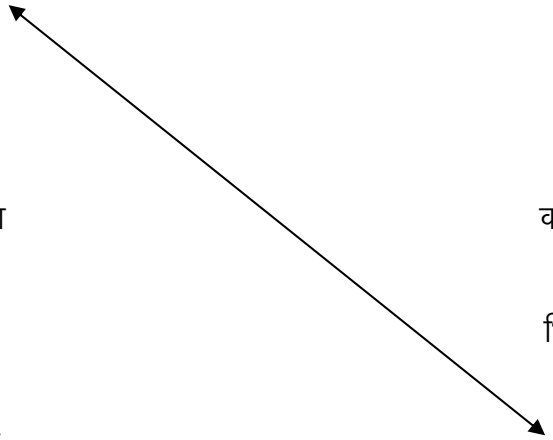

बन्दर	गूटर–गूँ
बिल्ली	भौं – भौं
चिड़िया	काँव – काँव
गधा	भिन – भिन
कबूतर	खिं – खिं
मुर्गा	चीं – चीं
कुत्ता	म्याऊँ – म्याऊँ
कौआ	ढेंचू –ढेंचू
मक्खी	कूकडू – कूँ

4. सही शब्द छाँटकर वाक्य पूरा कीजिए –

(साँप, बंदर, ऊँट, हँसती, कंगन, घंटी)

अ) पेड़ पर ..... उछल–कूद करते हैं।

ब) ..... बिल में रहता है।

स) मेरी माँ मेरी बहन के लिए ..... लाई।

द) स्कूल की ..... बजते ही सब बैठ जाते हैं।

य) मैं घर पर बहुत ..... हूँ।

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

अंगूर खट्टे

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। वह भोजन की खोज में इधर–उधर भटकने लगी। वह एक बाग में जा पहुँची। वहाँ उसने एक बेल पर अंगूर लगे देखे। लोमड़ी के मुँह में पानी आ गया। वह अंगूर तोड़ने के लिए बार–बार उछलने लगी, पर अंगूर बहुत ऊँचाई पर थे। वह वहाँ तक नहीं पहुँच पाई और निराश हो गई। वह अपने मन को यह कहकर समझाने लगी– अंगूर तो खट्टे हैं। इनको खाने से मैं बीमार हो जाऊँगी।

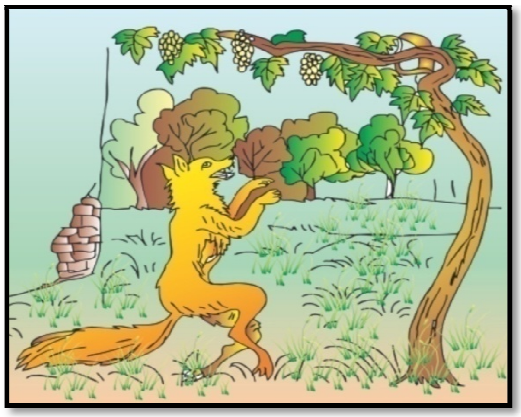

1. सही शब्द का चयन कर वाक्य पूरे कीजिए –

(बीमार, ऊँचाई, लोमड़ी, मुँह)

(क) एक ..... बहुत भूखी थी।

(ख) लोमड़ी के ..... में पानी आ गया।

(ग) पर अंगूर बहुत ..... पर थे।

(घ) इनके खाने से मैं ..... हो जाऊँगीं।

2. सही वाक्य के आगे (✓) व गलत वाक्य के आगे गलत (✗) का निशान लगाएँ–

(क) लोमड़ी अंगूर तोड़ने के लिए बार–बार उछलने लगी। ( )

(ख) लोमड़ी बहुत प्यासी थी। ( )

(ग) अंगूर खट्टे हैं। ( )

(घ) लोमड़ी ने बेल पर फूल देखे। ( )

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

शब्दों का खेल–

'महलवाला' शब्द पाँच वर्णों से मिलकर बना है।

म	ह	ल	वा	ला

इन वर्णों से आप कितने शब्द और बना सकते हैं? बनाकर लिखिए–

महल ....

....

अब ' ताजमहल' शब्द से भी और शब्दों को बनाकर देखिए –

ता	ज	म	ह	ल

....

....

अच्छा, जो खेल आपको बहुत पसंद है, उसका चित्र बनाइए और खेल का नाम भी लिखिए–

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कविता को पढ़िए, गुनगुनाइए और समझिए–

रंग–बिरंगे प्यारे फूल

रंग बिरंगे प्यारे फूल,
प्रातः बाग में खिलते फूल,
भँवरे रहे कलियों पर झूल,
सूरज जब सिर पर आता।
खूब गरमी बरसाता।
लेकिन जब है बारिश आती,
गरमी सारी कहीं भाग जाती,
तब खिलते हैं धरती पर,
रंग–बिरंगे प्यारे फूल।

1. कौन – किसके साथ मिलाइए –

(क)	(ख)
चमकता	फूल
कोमल	कलियाँ
काले	सूरज
रंग–बिरंगे	भँवरे

2. प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिखिए–

(क) सूरज सिर पर आता है तो क्या करता है ?

.....

(ख) गरमी कब भाग जाती है ?

.....

(ग) फूल किसकी तरह मुस्काते हैं ?

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

पढ़िए और समझकर लिखिए :–

1. बकरी और चीता पानी पी गए।

.....

2. गीता ने खीर और नमकीन खाई।

.....

3. राम और श्याम कल मेला देखने जाएंगे।

.....

4. शाम को बदली छायी थी और पानी बरस रहा था।

.....

5. रामा गाना गा रही थी और श्यामा नाच रही थी।

.....

6. मैं और मेरी माँ कल बाजार जाएंगे।

.....

अब कुछ और वाक्य आप स्वयं बनाकर लिखिए जिसमें 'और' का प्रयोग हो रहा हो–

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....
5. .....
6. .....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

अनोखी दोस्ती

एक हाथी और बन्दर दोस्त थे। पर थोड़े ही दिनों में दोनों में अनबन हो गई। अब दोनों एक–दूसरे से बोलते नहीं थे। पर दोनों मित्रों को एक–दूसरे की बहुत याद आती थी। एक दिन बन्दर नदी के किनारे एक पेड़ पर बैठा था। उसे उस पार के पेड़ों से आम की महक आई। बन्दर ने हाथी से कहा–हाथी भाई, क्या तुम मुझे नदी में उस पार छोड़ आओगे? हाथी ने कहा–भाई, क्यों नहीं। यह तो बहुत छोटी–सी बात हैं। हाथी ने झट अपनी पीठ पर बन्दर को बैठाया और नदी पार बगीचे में जा पहुँचा। हाथी की पीठ पर बैठे–बैठे ही बंदर ने ढेरो मीठे–मीठे पीले–पीले आम तोड़े और खाए तथा हाथी को भी खिलाए। दोनों ने मिलकर खूब मस्ती की। बन्दर ने हाथी से कहा–दोस्त अब हम कभी लड़ाई नहीं करेंगे। हमेशा मिलकर रहेंगे।

प्र.1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में लिखिए–

(क) बंदर की दोस्ती किसके साथ थी?

.....

(ख) बंदर को उस पार से किसकी महक आई?

.....

(ग) बंदर ने नदी कैसे पार की?

.....

(घ) बन्दर नदी किनारे किस पर बैठा था?

.....

प्र.2. मिलान कीजिए–

(क)	नटखट	पेड़
(ख)	मोटा	आम
(ग)	मीठे	बंदर
(घ)	घना	हाथी

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

नटखट बंदर

बड़ा ही नटखट है यह बंदर।
जाने क्या–क्या करता रहता।
चित्र देखकर लिखिए –
नटखट बंदर क्या–क्या कर रहा है ?

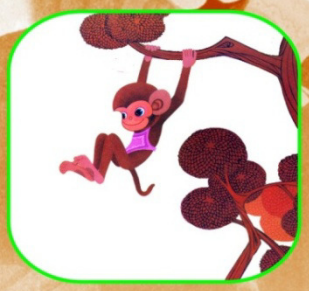

.....
.....
.....

.....
.....
.....

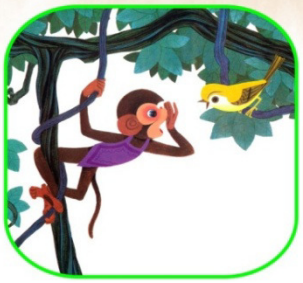

.....
.....
.....

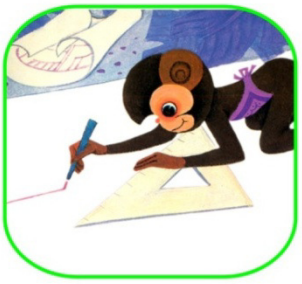

.....
.....
.....

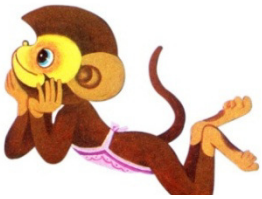

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कविता को पढिए, और समझिए :–

चिड़िया

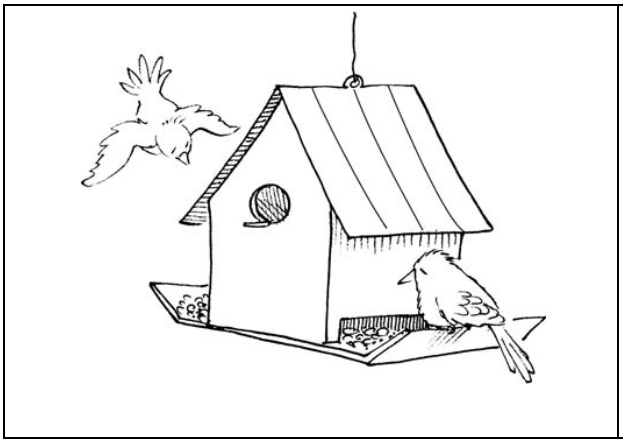

छोटी सी ये चिड़िया
सुबह–सुबह आँगन में आती।
चूँ–चूँ करके हमें जगाती।
दाना चुगती गाना गातीं।
झुण्ड में आतीं, मिलकर गाती।
चारों ओर कलरव फैलाती,
शोर करो तो झट उड़ जाती।
छोटी सी ये चिड़िया,
मेरे घर की गोरैया।

1. प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्य में दीजिए–

(क) चिड़िया आँगन में कब आती थी?

चिड़िया सुबह–सुबह आँगन में आती थी।

(ख) चिड़िया चारों ओर क्या फैलाती थी?

.....

(ग) चिड़िया किस कारण उड़ जाती थी?

.....

(घ) चिड़िया कौन–कौन से कार्य करती है?

.....

2. दिए गए उत्तर की मदद से प्रश्न बनाइए–

(क) चिड़िया कैसे आती है ? (कैसे)

उ. चिड़िया झुण्ड में आती है।

(ख) ..... (कौन)

उ. घर की गोरैया चिड़िया है।

(ग) ..... (क्या)

उ. चिड़िया दाना चुगती है।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

एक लड़की आची

मेरे घर के पास एक लड़की रहती है। उसका नाम आची है।

सूरज उगता है तब आची जाग जाती है। झटपट अपना काम करती है। पानी का मटका भर कर लाती है। उसके बाद वह बकरी चराने चली जाती है।

जब तक सूरज आसमान में ऊपर रहता है, तब तक आची बकरी चराती रहती है। उसकी बकरी घास–पात खाती है। बीच–बीच में आची लकड़ी बीनती रहती है।

जब सूरज ढलता है तब आची और बकरी वापस घर आ जाती हैं। आची पाठशाला नहीं जा पाती है।

1. आची सुबह से शाम तक क्या काम करती है? खाली जगह में सही शब्द लिखकर वाक्य पूरा करें।

(क) बकरी चराने ---------- है। (जाती / आती)

(ख) झटपट अपना काम ---------- है। (चलाती / करती)

(ग) पानी भरकर ..... है। (लाती / खाती)

(घ) लकड़ी बीनकर ..... है। (रख आती / घर लाती)

2. सही शब्द पर सही (✓) का निशान लगाइए –

(क) आची के भाई का नाम है–

(अ) राजू (ब) बाबू (स) गोलू (घ) मोटू ( )

(ख) आची और बाबू किसको चराने जाते हैं ?

(अ) भैंस (ब) बकरी (स) भेड़ (घ) गाय ( )

(ग) बकरियाँ खाती हैं–

(अ) रोटी (ब) घास–पात (स) अचार (घ) फल ( )

(घ) आची और बाबू कहाँ नहीं जा पाते हैं ?

(अ) पाठशाला (ब) घर (स) गाँव (घ) शहर ( )

3. **आप सुबह से शाम तक क्या–क्या करते हैं? लिखिए –**

मेरे काम

1. मैं ..... हूँ।
2. मैं ..... हूँ।
3. मैं ..... हूँ।
4. मैं ..... हूँ।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

सही शब्दों का चुनाव कर कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए –

छम छम छम	टर टर टर	ढम ढम ढम
टन टन टन	घड़ घड़ घड़	टप टप टप

बादल गरजे .....

पानी बरसे .....

मेंढक करते .....

ढोलक बाजे .....

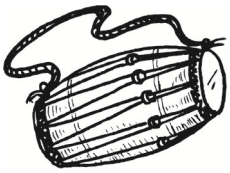

घण्टी बाजे .....

पायल बाजे .....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

शेर और चूहा

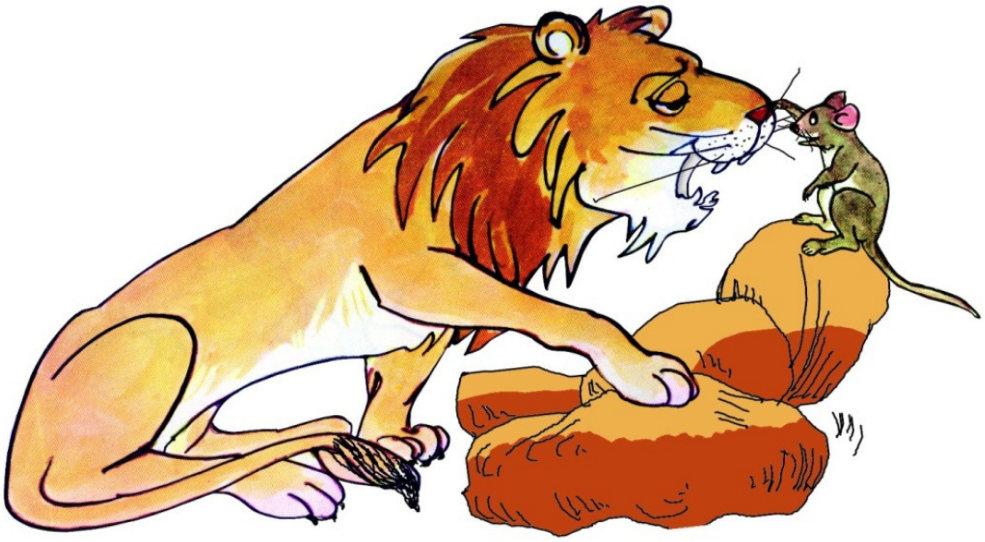

एक शेर अपनी गुफा में सो रहा था। एक चूहा उधर आया और शेर के शरीर पर चढ़कर फुदकने लगा। शेर जाग उठा और उसने चूहे को पकड़ लिया। चूहा रोने लगा।

चूहे ने गिड़गिड़ाते हुए शेर से कहा– अगर तुम मुझे छोड़ दोगे तो मैं भी एक दिन तुम्हारे काम आऊँगा।

शेर यह सुनकर हँस पड़ा। भला चूहा उसके किस काम आ सकता है! फिर भी शेर ने चूहे को छोड़ दिया।

कुछ दिनों बाद शिकारियों ने शेर को पकड़ लिया और उसे जाल से बाँध दिया। चूहे ने शेर को दहाड़ते सुना तो वह भागते हुए वहाँ पहुँचा। चूहे ने दाँतों से जाल को काटकर शेर को आज़ाद कर दिया।

इस तरह चूहे ने शेर की जान बचा ली। फिर चूहा और शेर दोस्त बन गए।

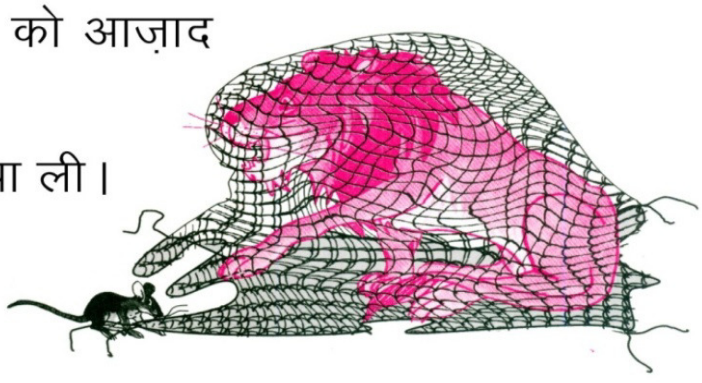

1. याद कीजिए और बताइए –

आपने अपने साथियों की, भाई–बहनों की कब–कब मदद की है?

आपके परिवार और पास–पड़ौस में दूसरों की मदद करने वाले के बारे में बताइए।

नाम	दूसरों की क्या मदद करते हैं
1.	.....
2.	.....
3.	.....

2. इस चित्र को समझिए और बताइए कौन किसकी मदद कर रहा है?

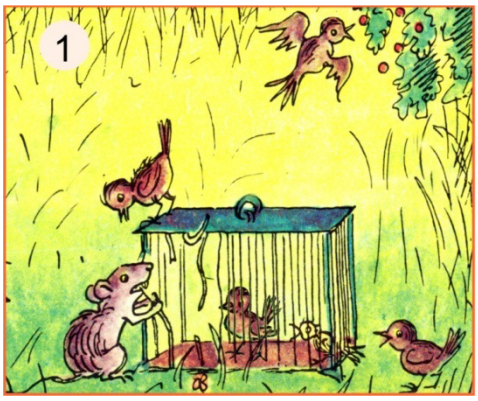

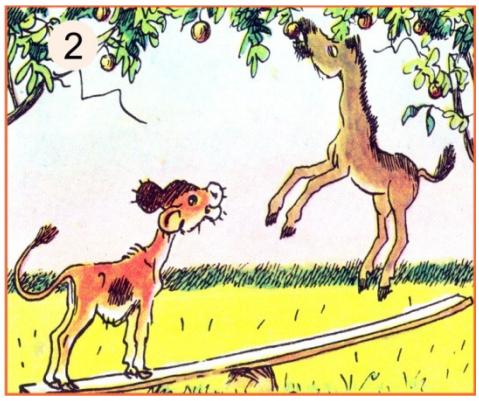

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

दिनांक : .....

H/C2/AW 6 **पठन एवं लेखन**

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

1. खाली जगह पर सही शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए –

बंदर केला ..... है।

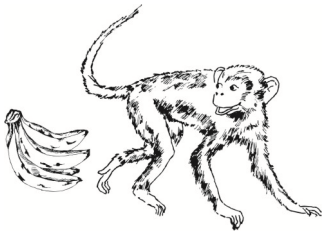

बच्चे पतंग ..... हैं।

तितली ..... चूस ..... है।

बिल्ली ..... है।

2. कौन कहाँ रहता है , दी गई तालिका में लिखिए –

गाय, मछली, चील, हाथी, कछुआ, गधा, कबूतर, मेंढक

उड़ते हैं	पानी में रहते हैं	केवल जमीन पर रहते हैं
1.	1.	1. .....
2.	2.	2. .....
3.	3.	3. .....

3.समूह में जो सबसे अलग हैं उन पर निशान (×) लगाएं।

घड़ा	ककड़ी	खाट	मेज़
कछुआ	मेंढक	बकरी	मछली
कील	चील	झील	कबूतर
पूड़ी	खीर	बरफ़ी	रबड़ी
साइकिल	कार	रेल	कमीज़

4. खोजो इस जाल में कौन–कौन से जीव–जन्तु छिपे हैं ?

हि	सू	ख	ब	गा	य	(उनके नाम भी लिखिए) ....
शे	र	ज	र	क	च	
उ	स	न	ची	गो	री	
ऊँ	ग	त	हा	ल	श	
ट	फ	धा	री	थी	ह	
गि	ल	ह	री	छ	न	

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ..... रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ..... दिनांक : ----------

तीन पड़ोसी

एक बतख थी। एक चिड़िया थी। एक खरगोश था। तीनों एक जगह रहते थे। तीनों अपना–अपना काम करते थे। एक दिन बतख बोली–चिड़िया बहन, आज तुम बहुत परेशान हो। क्या बात है? चिड़िया बोली–दीदी, मै रोज़ दूर जाती हूँ। मै दाना चुगती हूँ। मैं अण्डे सेती हूँ, मैं थक जाती हूँ।

बतख बोली– खरगोश भाई, क्या बात है? आज तुम भी बहुत परेशान हो।

खरगोश बोला–दीदी, मैं रोज, दूर जाता हूँ। मैं घास–पात लाता हूँ। मैं थक जाता हूँ। बतख बोली– मैं तुम लोगों की परेशानी समझती हूँ। मैं तुम दोनों का खाना बना दूँगी।

चिड़िया बोली– दीदी, खाना बनाने में मैं तुम्हारी मदद करूँगी। इससे समय मिलेगा। मैं आराम करूँगी।

खरगोश बोला– हाँ दीदी, मैं भी तुम्हारी मदद करूँगा। इससे समय बचेगा। मैं भी आराम करूँगा। तीनों मिलकर काम करते हैं। खरगोश पानी लाता है। चिड़िया दाना लाती है। बतख खाना बनाती है। तीनों खुश रहते हैं।

प्र.1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कीजिए–

(क) चिड़िया ..... लाती थी। (दाना / पानी)

(ख) बतख ने दोनों का ..... बनाया। (खाना / हलवा)

(ग) खरगोश ..... लाता था। (घास–पात / फल)

(घ) तीनों अपना–अपना ..... करते थे। (काम / आराम)

प्र.2. चित्र को देखकर लिखिए कि ये क्या खाते हैं ?

.....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

चार चने

पैसा पास होता तो चार चने लाते। चार में से एक चना तोते को खिलाते। तोते को खिलाते तो टाँय–टाँय गाता। टाँय–टाँय गाता तो बड़ा मजा आता।	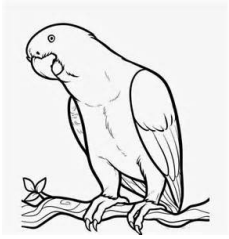
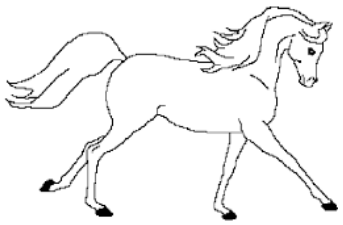	पैसा पास होता तो चार चने लाते। चार में से एक चना घोड़े को खिलाते। घोड़े को खिलाते तो पीठ पर बिठाता। पीठ पर बिठाता तो बड़ा मज़ा आता।
पैसा पास होता तो चार चने लाते। चार में से एक चना भालू को खिलाते। भालू को खिलाते तो भालू नाच दिखाता। नाच दिखाता तो बड़ा मज़ा आता।	

1.मिलान कीजिए–

(अ)	(ब)
अ) पैसा पास होता तो	अ) बड़ा मज़ा आता।
ब) तोते को खिलाते तो	ब) चार चने लाते।
स) दाँत टूट जाता तो	स) घोड़े को खिलाते।
द) चार में से एक चना	द) टाँय–टाँय गाता।

2. प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

अ) भालू को चना खिलाते तो वह क्या करता?

.....

ब) टाँय–टाँय कौन करता है?

.....

स) अगर घोड़ा पीठ पर बिठाता तो क्या होता?

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कहानी को पढ़िए और समझिए–

चालाकी नहीं चली

जंगल में एक लोमड़ी रहती थी। लोमडी को अपनी चालाकी पर घमण्ड था। वह चालाकी से सारे काम बना लेती थी।

एक दिन की बात है, लोमड़ी बहुत भूखी थी। उसने इधर–उधर भोजन की खोज की, मगर उस दिन उसे खाने को कुछ नहीं मिला। जंगल से जाते समय उसने नीम के पेड़ पर एक कौए को बैठे देखा जिसकी चोंच में रोटी का टुकड़ा था। रोटी का टुकड़ा देखकर लोमड़ी के मुँह में पानी आ गया। उसने कौए को मूर्ख बनाने की योजना बनाई। वह बोली कौए भैया बहुत दिन हो गए तुम्हारा गाना नहीं सुना। क्या तुम मुझे गाना नहीं सुनाओगे? लोमड़ी की बात सुनकर कौआ प्रसन्न तो हुआ पर उसकी चालाकी को भी समझ गया। उसने रोटी का टुकड़ा पंजों के नीचे दबा लिया और लगा काँव–काँव करने। थोड़ी देर बाद बोला, ''मौसी'' कैसा लगा मेरा गाना? तुम कहो तो और सुनाऊँ?'' लोमड़ी समझ गई कि आज चालाकी नहीं चलेगी। वह अपना–सा मुँह लेकर वहाँ से चली गई।

1. शब्दों को पूरा कीजिए–

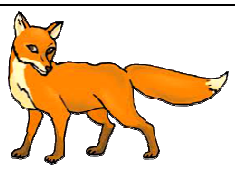	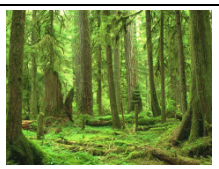		
लोम.....	.....गल	कौ.....	पं.....

2. खाली स्थान में सही शब्द लिखिए–

चालाक, तरकीब, प्रसन्न, भोजन

(क) लोमड़ी अपने को ..... समझती थी।

(ख) उसने इधर–उधर ..... की बहुत खोज की।

(ग) लोमड़ी को एक ..... सूझी।

(घ) अपनी प्रशंसा सुनकर कौआ ..... हुआ।

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

सर – सर उड़ी पतंग

सर–सर, सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर, फर–फर उड़ी पतंग।
इसको काटा, उसको काटा,
खूब लगाया सैर सपाटा।
अब लड़ने में जुटी पतंग,
अरे कट गई, लुटी पतंग।
उड़ चली देखो, हवा के संग,
आसमान में छाए रंग।
सर–सर, सर–सर उड़ी पतंग,
फर–फर, फर–फर उड़ी पतंग।

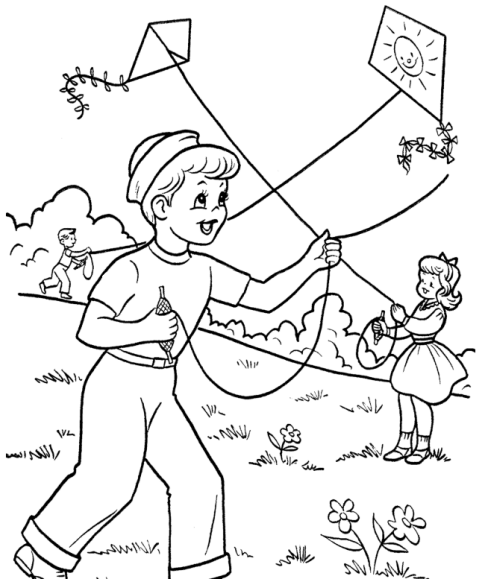

1. **सही उत्तर का चयन कीजिए –**

(क) पतंग कौनसे त्योहार को उड़ाई जाती है?

(अ) दीपावली (ब) होली (स) मकर संक्राति (घ) दशहरा ( )

(ख) पतंग जुट गई थी –

(अ) लड़ने में (ब) हँसने में (स) उड़ने में (घ) खेलने में ( )

(ग) आसमान में छा गए थे –

(अ) पतंग (ब) रंग (स) पक्षी (घ) धागे ( )

(घ) पतंग उड़ रही थी –

(अ) सर–सर (ब) फर–फर (स) दोनों (घ) कोई नहीं ( )

2. **पतंग का चित्र बनाते हुए अपने मन की बात लिखिए–**

	.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....

शाला का नाम : ---------- रोल नं. : ----------

विद्यार्थी का नाम : ---------- दिनांक : ----------

कहानी बनाइए

इन चित्र कथाओं को देखिए, पढ़िए और उनके बारे में बातचीत कीजिए। आप जो समझें उसे अपनी भाषा में लिखिए।

1 शरारती बिल्ली ने अपनी नाक तुड़वाई

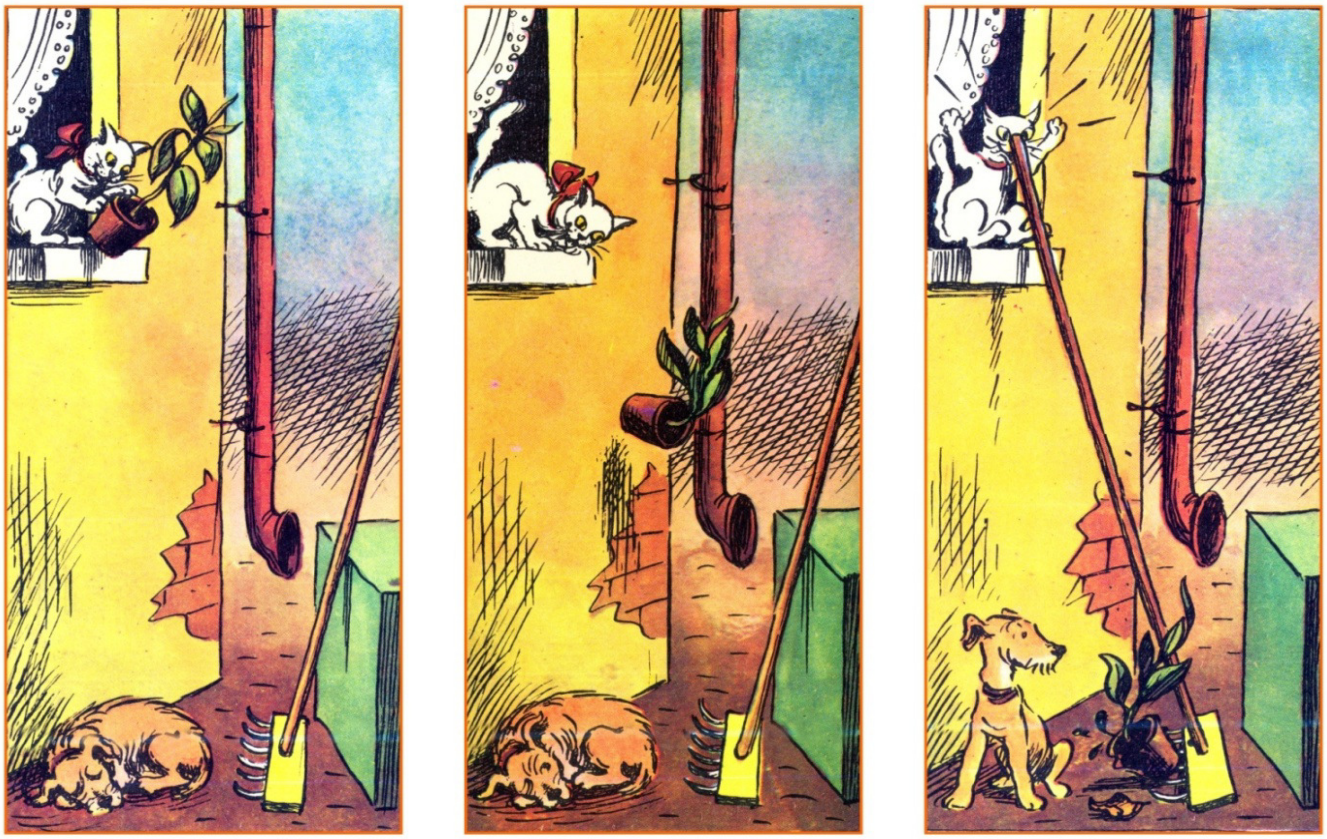

कभी–कभी ऐसा भी होता, आगे से शरारत जो करते,
अपनी ही हरकत से उनको लेने के देने पड़ते।

.....

.....

.....

.....

2 अकड़ू बकरों ने अपनी ही जान गवाई

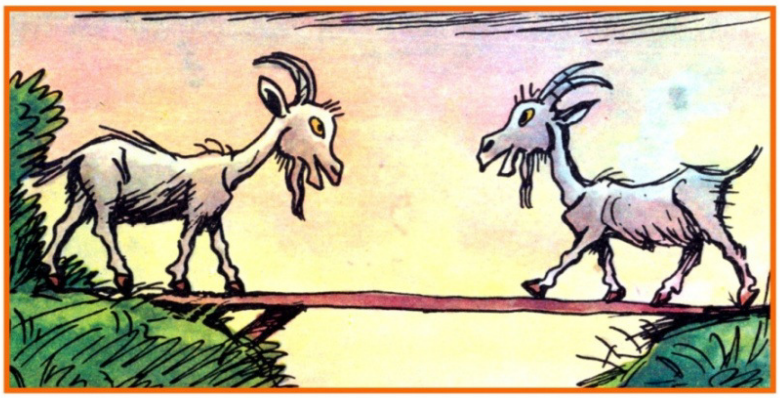

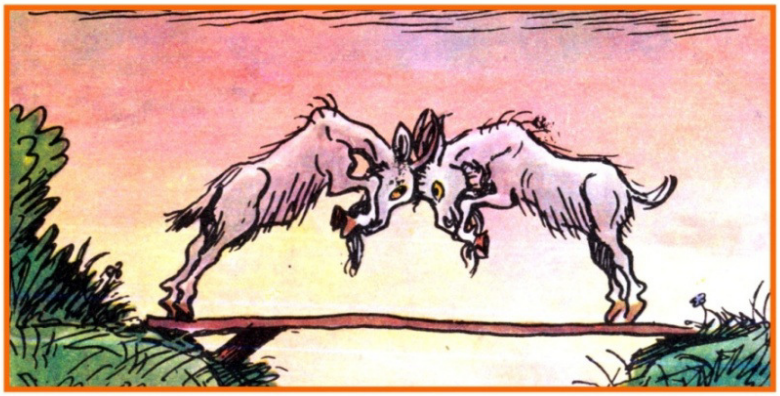

कहीं एक पुल पर दो बकरे, एक संग चढ़ आए। पहले
मैं, पहले मैं कर झगड़े दोनों, नीचे गिर जल बीच समाए।

.....

.....

.....

.....

बताइए, वे बकरे पानी में गिरने से कैसे बच सकते थे?

.....

.....

शिक्षक टिप्पणी .....

.....

.....

.....

शिक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर दिनांक : .....